पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने किया हजरत शहीद कासिम बाबा के मजार पर चादरपोशी

रोजा इफ्तार में की शिरकत

लखनऊः 18 जून, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज हजरत शहीद कासिम बाबा दरगाह पर चारदपोशी की तथा हजरत शहीद कासिम बाबा सेवा समिति, द्वारा आयोजित रोजा इफ्तार में शिरकत की। इस अवसर पर विधायक श्री नीरज बोरा, पूर्व मंत्री श्री रविदास मेहरोत्रा, श्री अशोक बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में रोजेदार, गणमान्य नागरिक व श्रद्धालुजन उपस्थित थे। राज्यपाल ने कासिम बाबा के आस्ताने पर देश एवं प्रदेश के विकास, सुख-समृद्धि एवं आपसी भाईचारे के लिये दुआयें की तथा रोजेदारों के साथ बैठकर रोजा इफ्तार भी किया।

राज्यपाल ने रोजा इफ्तार से पूर्व उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुये कहा कि रोजे से मन में पाकीजगी आती है। राज्यपाल ने दरगाह कमेटी की प्रशंसा करते हुये कहा कि समिति में सभी सम्प्रदाय के लोग बराबर के शरीक हैं जो हमारी संस्कृति एवं सांस्कृतिक एकता की पहचान है। दरगाह परिसर की तारीफ करते हुये उन्होंने कहा कि जब वे दरगाह आ रहे थे तो लग रहा था कि जंगल में जा रहे हैं लेकिन आस्ताने पर पहुंचकर लगा कि जंगल में भी मंगल है। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थान हमें प्यार, मोहब्बत और एकता का संदेश देते हैं।

श्री नाईक ने कासिम बाबा के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये बताया कि इससे पूर्व वे दो बार देवां शरीफ बाराबंकी तथा दादा मियाँ लखनऊ की दरगाह पर हाजिरी दे चुके हैं। ऐसी पाक जगह आकर सुकुन भी बहुत मिलता है और छोटा हिन्दुस्तान दिखायी देता है, जहाँ हिन्दू मुस्लिम व अन्य समुदाय के लोग मिलकर अपनी आदरांजलि देने आते हैं। उन्होंने कहा कि वे जब भी ऐसी जगह जाते हैं तो उन्हें मुंबई की हाजी अली की दरगाह याद आती है।

राज्यपाल ने रोजे के साथ-साथ ईद की भी अग्रिम बधाई दी। उन्होंने कहा कि सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के लिये सबका सहयोग जरूरी है। ऐसे मुबारक मौके पर हमें संकल्प लेना चाहिये कि पूरे सद्भाव के साथ उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनायें। भारत में संत परम्परा और सूफी परम्परा का अपना एक गौरवशाली इतिहास रहा है, जहाँ हर काल में ऋषि मुनियों एवं सूफी संतों ने अपने-अपने ढंग से सत्संग, तप, ज्ञान और पैगाम के माध्यम से इंसानियत को मोहब्बत और एकता की डोर में बांधने का सफल प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान सूफी-संतों का संदेश आज भी प्रासंगिक है।

रोजा इफ्तार में विधायक श्री नीरज बोरा ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (230/21)

दरगाह हज़रत क़ासिम शहीद रहमतुल्लाह अलैह
बतारीख़
18 जून 2017
रोज़ा अफ़्तार
बरोज़
इतवार
मुख्य अतिथि - माननीय राम नाईक जी राज्यपाल उत्तर प्रदेश
मुख्य अतिथि व सभी रोज़ेदारों / मेहमानों का खैरमक़दम करते हैं।
जुबैर अहमद खान अध्यक्ष दरगाह कमेटी एवं सभी ओहदेदार व सदस्य
Mob.: 933524228
Website : www.darghaqasimbab

qasimbaba.in